



सत्यमेव जयते

खंड ६

संख्या ४१

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी रिपोर्ट

सोमवार, तिथि ९ अप्रील, १९५६

Vol. IX

No. 41

**The
Bihar Legislative Assembly
Debates**

Official Report

Monday, the 9th April, 1956.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय, बिहार,
पटना, द्वारा मुद्रित,
१९५६

[मूल्य—६ आना ।]

[Price—Annas 6.]

DEATH OF CATTLE.

17. Shri BHOLANATH BHAGAT : Will the Minister, in charge Development (Animal Husbandry) Department, be pleased to state—

(1) whether it is a fact that a State Veterinary Dispensary, Class I was opened in Silli, district Ranchi, more than a year ago ;

(2) the number of days, the Veterinary Doctor attended the dispensary during full one year from the date when the dispensary started to function and the number of cattle treated in the dispensary ;

(3) whether it is a fact that hundreds of cattle died of epidemic diseases in the area and the reports thereof were submitted to the district veterinary authorities ?

श्री दीपनारायण सिंह—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) पशु चिकित्सक साल में कुल १४८ दिन पशु चिकित्सालय में उपस्थित हुए और ३६४ पशुओं का उन्होंने इलाज किया।

(३) प्रथम खंड का उत्तर कुछ अंश में स्वीकारात्मक है। जहां-जहां से बीमारी की सूचना मिली, वहां भ्रमणकारी पशु-चिकित्सक और उस क्षेत्र के पशु-निरीक्षक ने बीमारों को रोकने का समुचित उपाय किया और बीमारी को दबा दी।

प्रदर्शनी में खर्च।

१८। श्री सुबोध नारायण यादव—क्या मंत्री, विकास (उद्योग) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) पटना में जो सरकार की ओर से प्रदर्शनी चल रही है उसमें कुल सरकार की ओर से कितना खर्च हुआ है ;

(२) उक्त खर्च में कितना बिहार सरकार की ओर केंद्रीय सरकार को बहन करना पड़ेगा ;

(३) उक्त प्रदर्शनी से सरकार को कितनी आमदनी हुई या घाटा ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—(१) प्रदर्शनी के लिये सरकार ने ५ लाख ७५ हजार रुपये का व्यय स्वीकृत किया था। मोट खर्च प्रायः इतना ही हुआ है लेकिन खर्च का पूरा व्योरा अभी इकट्ठा किया जा रहा है।

(२) समचा खर्च बिहार सरकार को बहन करना है।

(३) प्रदर्शनी मुनाफा के लिये नहीं की गयी थी, इसलिये मुनाफा या घाटा का सवाल नहीं उठता है। प्रदर्शनी से नकद १,६२,२१६ रुपये १३ आने की आमदनी हुई है, प्रदर्शनी के घेरने के लिये जो ढीन व्यवहार में लाये गये थे उनका दाम घटाने के बाद २६,००० रुपये हैं। बिजली के सामान वगैरह जो व्यवहार में लाये